हिंदी संस्करण का अगला पृष्ठ

PRABHAT
Society for Child Development
Changing attitudes. Changing lives

AVACAYAM

by SOCIETY FOR CHILD DEVELOPMENT

Volume 4 | September Issue 3

EDITOR: SIDDHARTHA

21th September 2024

Big Support! *A conversation with Dr. Ashutosh Gupta*

What initially motivated you to financially support SfCD an organization focused on helping the poor and disabled, and what aspects of their work resonate most with you?

I visited the Society's original location in late 1990s. I was impressed by the idea, the plan and the quality of work for the upliftment of children with physical and mental challenges and making them self-sufficient for the basic needs of their lives.

How has your experience as a donor shaped your understanding of the challenges faced by the communities SfCD serves?

During revisits to the society's work and seeing it first-hand, we learned that parents, especially in villages, did not have any idea that there was hope for their children with physical and mental challengesto become self-sufficient. It was important to convince parents that there are opportunities to improve their children's and their lives. The society's initiative to convince parents to send their children was very important. To initiate this work, financial and personnel resources were required.

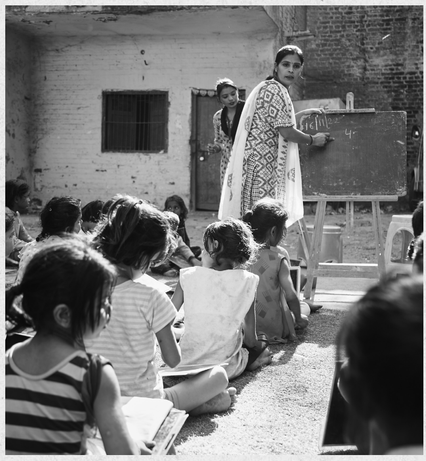

What impact or change have you witnessed as a result of your contributions, and how does that influence your continued support?

Over a period of time, we saw that the Society is providing education, vocational training and employment to physically and mentally challenged children and adults to make them self-sufficient. This has provided them happiness, satisfaction and purpose of life. Additionally, the Society's initiative to use waste products into environmentally safe usable items is providing work and employment to these individuals and serving the community at large.

What personal values or experiences drive your commitment to supporting initiatives that assist the disabled and disadvantaged?

The Society has brought a complete transformation in the lives of these children and adults from being helpless and dependent to become independent and productive member of society. We feel that the Society's work is as if "completing God's unfinished work". From far away, we at least can provide some financial support and be a little drop in the ocean of this great work.

It was a priviledge to interview Dr. Ashutosh sir. We thank you sir for answering our questions and for your support through all the years.

About DR. ASHUTOSH GUPTA

Dr. Ashutosh Gupta, (MD) is a Nephrologist in Oak Park, IL and has over 54 years of experience in the medical field.

He graduated from Maulana Azad Medical College-Delhi University in 1969. He is affiliated with medical facilities such as Holy Cross Hospital and Jackson Park Hospital.

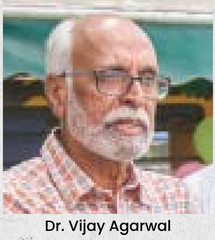

Dr. Vijay Agarwal

A Message from the President of the Society for Child Development

"Throughout my journey,

I have seen firsthand how children and adults with disabilities can not only meet but exceed expectations when given the right opportunities."

...READ MORE IN OUR NEXT ISSUE...

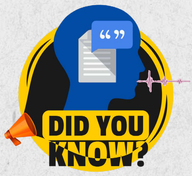

How Speech Technologies are Revolutionizing Communication for Everyone!

Voice to Text, Text to Voice: These tools, originally developed to assist individuals with visual impairments or speech difficulties, have evolved into widely used applications across various platforms. Today, they are integral to transcription services, language learning apps, and accessibility features in web browsers and smartphones.

A prominent example is WhatsApp's Speech-to-Text feature, which allows users to compose messages hands-free, significantly enhancing accessibility for those with physical disabilities and simplifying multitasking. As these technologies continue to advance, they improve their ability to understand and replicate human communication, benefiting both individuals with disabilities and the general public alike.

written by Ambica Sandhir

Four talented photographers with intellectual disabilities,

working alongside our organization's photographer, Siddhartha, have achieved something truly remarkable. Through their creativity and dedication, they won the prestigious "**Art for Hope**" photography grant from Hyundai. This achievement is not only a testament to their artistic abilities but also a powerful example of how, with the right support, all individuals can shine. Currently continuing their training at the Society for Child Development, these photographers are creating new works of art, breaking barriers, and proving that creativity knows no limits. Their journey inspires us all to see the world through a more inclusive lens.

paytm

To Help children with disabilities, follow the link and donate.

DONATE RazorPay Link

GIVE.DO Donate Link

Society for Child Development
Registration number : S-22741 of 1992
FCRA Certificate Available for Foreign Donations
80G Certificate Available for Tax Exemption on Donations above ₹1000

Editor: Siddhartha | This publication is by Society for Child Development which is a registered society | This newsletter was published in 21th of Sept, 2024

English version previous page.

PRABHAT
Society for Child Development
Changing attitudes. Changing lives

आवाकायम

सोसाइटी फ़ॉर चाइल्ड डेवलपमेंट द्वारा

आयतन 4 | सितम्बर अंक 3

संपादक: सिद्धार्थ

21 सितम्बर, 2024

बड़ा समर्थन डॉक्टर आशुतोष गुप्ता के बारे में

शुरुआत में किस चीज़ ने आपको एस .एफ. सी .डी को वित्तीय सहायता देने के लिए प्रेरित किया , एक संगठन जो गरीबों और विकलांगों की मदद करने पर केंद्रित है और उनके काम के कौन से पहलू आपको सबसे अधिक प्रभावित करते हैं?

मैंने 1990 के दशक के अंत में सोसायटी के मूल स्थान का दौरा किया। मैं शारीरिक और मानसिक चुनौतियों वाले बच्चों के उत्थान और उन्हें अपने जीवन की बुनियादी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनाने के विचार, योजना और काम की गुणवत्ता से प्रभावित हुआ।

एक दाता के रूप में आपके अनुभव ने एसएफसीडी द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में आपकी समझ को कैसे आकार दिया है?

सोसायटी के कार्यों को दोबारा देखने और प्रत्यक्ष रूप से देखने के दौरान, हमें पता चला कि माता-पिता, विशेषकर गाँवों में, उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि उनके बच्चों के लिए कोई आशा है, आत्मनिर्भर बनने के लिए, शारीरिक और मानसिक चुनौतियों के लिए भी। यह मनाना ज़रूरी था माता-पिता के लिए की उनके बच्चों और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए ही ये अवसर है। हमारे लिए माता-पिता को अपने बच्चों को भेजने के लिए मनाने की पहल बहुत महत्वपूर्ण थी। इस कार्य को आरंभ करने के लिए, वित्तीय और कार्मिक संसाधनों की आवश्यकता थी।

आपने क्या प्रभाव या परिवर्तन देखा है? जो आपके योगदान का परिणाम है, और वह कैसे होता है जो आपके निरंतर समर्थन को प्रभावित करता है?

समय के साथ, हमने देखा कि सोसायटी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और प्रदान कर रहा है, जिस से शारीरिक और मानसिक रोजगार बच्चों और बड़ों को आत्मनिर्भर बनाने की चुनौती भी दी जा रही है। इसने उन्हें खुशी, संतुष्टि और जीवन का उद्देश्य प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त, अपशिष्ट उत्पादों को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित उपयोगी वस्तुओं में उपयोग करने की सोसायटी की पहल इन्हें काम और रोजगार प्रदान करने का काम भी कर रही है व्यक्तियों और बड़े पैमाने पर समुदाय की सेवा कर रही हैं।

कौन से व्यक्तिगत मूल्य या अनुभव आपको प्रेरित करते हैं उन पहलों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता विकलांगों और वंचितों की सहायता करने के लिए?

सोसायटी एक संपूर्ण विचार लेकर आई है - "इन बच्चों के जीवन में परिवर्तन और वयस्कों को असहाय और आश्रित होने से बचाया जा सकता है स्वतंत्र और उत्पादक बनने के लिए समाज का सदस्य।" हमें लगता है कि सोसायटी का काम "भगवान के अधूरे काम को पूरा करने" जैसा है। दूर से, हम कम से कम एक छोटे से स्तर की आर्थिक मदद कर सकते हैं, इस महान कार्य के लिए।

डॉ. आशुतोष सर का साक्षात्कार लेना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी। हमारे प्रश्नों का उत्तर देने और वर्षों तक आपके समर्थन के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं।

डॉ के बारे में आशुतोष गुप्ता

डॉ. आशुतोष गुप्ता, (एमडी) एक नेफ्रोलॉजिस्ट हैं ओक पार्क, आईएल में और उन्हें 54 वर्षों से अधिक का अनुभव है चिकित्सा क्षेत्र में काम करने का, उसने अपनी स्नातक उपाधि मोलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज से वर्ष 1969 में पूरी की है। वह होली क्रॉस अस्पताल और जैक्सन पार्क अस्पताल जैसी चिकित्सा सुविधाओं से संबद्ध रखते हैं।

डॉ. विजय अग्रवाल

की ओर से एक संदेश सोसायटी के अध्यक्ष बाल विकास के लिए

"मेरी पूरी यात्रा के दौरान, मैंने प्रत्यक्ष देखा है कैसे बच्चे और विकलांग वयस्क न केवल मिल सकते हैं बल्कि अवसर देने पर वे हमारी उम्मीदो से ज्यादा अच्छा करके दिखते हैं।

...हमारे अगले अंक में और पढ़ें...

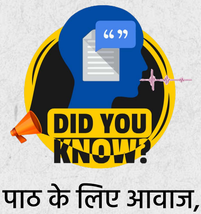

कैसे भाषण प्रौद्योगिकी सभी के लिए संचार में क्रांति ला रहे हैं।

पाठ के लिए आवाज, आवाज के लिए पाठ: ये उपकरण मूल रूप से व्यक्तियों की सहायता के लिए विकसित किए गए हैं, जो विकलांगता के साथ दृष्टि बाधितया और बोलने में कठिनाई विभिन्न प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले अनुप्रयोगों में विकसित हुए हैं आज, वे प्रतिलेखन सेवाओं का अभिन्न अंग हैं, भाषा सीखने की ऐप, और अभिगम्यता सुविधाएँ वेब ब्राउज़र और स्मार्टफ़ोन में।

इसका एक प्रमुख उदाहरण व्हाट्सएप का स्पीच-टू-टेक्स्ट विशेषता है, जो उपयोगकर्ताओं को अनुमति देता है हैंड्स-फ्री संदेश लिखने के लिए, शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि करना और मल्टीटास्किंग को सरल बनाना। जैसे-जैसे ये प्रौद्योगिकियां आगे बढ़ती जा रही हैं, वे समझने की अपनी क्षमता में सुधार करते हैं और मानव संचार को दोहराएँ, इससे विकलांग व्यक्तियों और आम जनता दोनों को समान रूप से लाभ होगा। दोनों को लाभ पहुंचाता है आम जनता एक समान।

अंबिका संधीर द्वारा लिखित

चार प्रतिभाशाली फोटोग्राफरों बौद्धिक विकलांगता के साथ,

हमारे साथ काम कर रहे हैं संगठन के फोटोग्राफर, सिद्धार्थ, ने सच में कुछ ऐसा हासिल किया है जो विलक्षण है। उन्होन अपनी कलाकारी और मेहनत से हुंडई से अनुदान 'आर्ट फॉर होप' मैं प्रतिष्ठित जीत हासिल की। ये उपलब्धि न केवल उनकी कलात्मक क्षमता का प्रमाण हैं बाल्की ये एक सशक्त उदाहरण है इस बात का की, कैसे सही समर्थन के साथ सभी व्यक्ति सफल हो सकते है। वर्तमान समय में सोसाइटी फ़ॉर चाइल्ड डेवलपमेंट मे इनकी तैयारी चल रही है, ये फोटोग्राफर कला के नए कार्य बना रहे हैं, बाधाओं को तोड़कर, और यह साबित करना कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती। उनकी ये यात्रा हम सबको प्रेरित करती हैं कि, दुनिया को अधिक समावेशी लेंस से देखें।

Paytm

मदद करने के लिए लिंक को क्लिक करें और दान करें।

DONATE RazorPay Link

GIVE.DO Donate Link

Society for Child Development
Registration number : S-22741 of 1992
FCRA Certificate Available for Foreign Donations
80G Certificate Available for Tax Exemption on Donations above ₹1000

संपादक: सिद्धार्थ | यह प्रकाशन सोसाइटी फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट द्वारा किया गया है जो एक पंजीकृत सोसायटी है। | यह समाचार पत्र 21 सितम्बर, 2024 को प्रकाशित हुआ था